राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–212/2023

ग्राम केन्द्रित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए प्रयास करे ग्राम संसद –राज्यपाल

पटना, 30 जुलाई 2023 :– महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने होटल मौर्या, पटना में आयोजित 'ग्राम संसद –बिहार चैप्टर ।।। कॉन्क्लेव' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम संसद को ग्राम केन्द्रित अर्थव्यवस्था के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि गाँवों में उपलब्ध संसाधनों को विकसित कर ग्रामवासियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिए। ग्राम संसद का लक्ष्य होना चाहिए कि ग्रामीणों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ें। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती, बहुफसली कृषि तथा वनौषधियों की खेती के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ उन्हें इसके लिए उचित मार्गदर्शन किया जाना चाहिए ताकि खेतों की उर्वरा शक्ति बनी रहे तथा किसानों की आय में भी वृद्धि हो सके। गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग आदि की सुविधायें उपलब्ध होने चाहिए। ग्राम संसद को ग्राम केंद्रित अर्थव्यवथा के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि हरेक गाँव का अपना वेबसाईट होना चाहिए जिसमें उस गाँव की विशेषताओं से संबंधित जानकारियाँ उपलब्ध हो। इससे उस गाँव की पहचान पूरी दुनियाँ में हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि गाँव हमारा प्राण है। गाँधीजी के रामराज्य की परिकल्पना ग्राम राज्य की ही थी। हम सबका कर्त्तव्य है कि गाँवों के समुचित विकास के लिए प्रयत्न करें तभी सही अर्थों में गाँवों में बसनेवाले भारत का विकास हो सकेगा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करनेवाले विभिन्न पंचायतों के मुखियागण को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम को बिहार के माननीय पंचायती राज मंत्री श्री मुरारी प्रसाद गौतम तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ० सी०पी० ठाकुर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर ग्राम संसद के संरक्षक माननीय विधान पार्षद डॉ० संजय मयूख, ग्राम संसद के सह–संस्थापक श्री ब्रजेश शर्मा एवं श्री दीपक ठाकुर, योग संस्कृति न्यास के संस्थापक आचार्य श्री धर्मवीर तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....